



India's First
**INTER MODAL
STATION**

At Nagpur

*Paving the roads of development
for a New India*





भारत का पहला एक छत के नीचे एकीकृत रेल, सड़क एवं मेट्रो टर्मिनल



India's first integrated rail, road and metro terminal under one roof.



Nagpur intermodal station

शहरी परिवहन हब का भविष्य

The future of urban transportation hub





श्री नितिन गडकरी

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

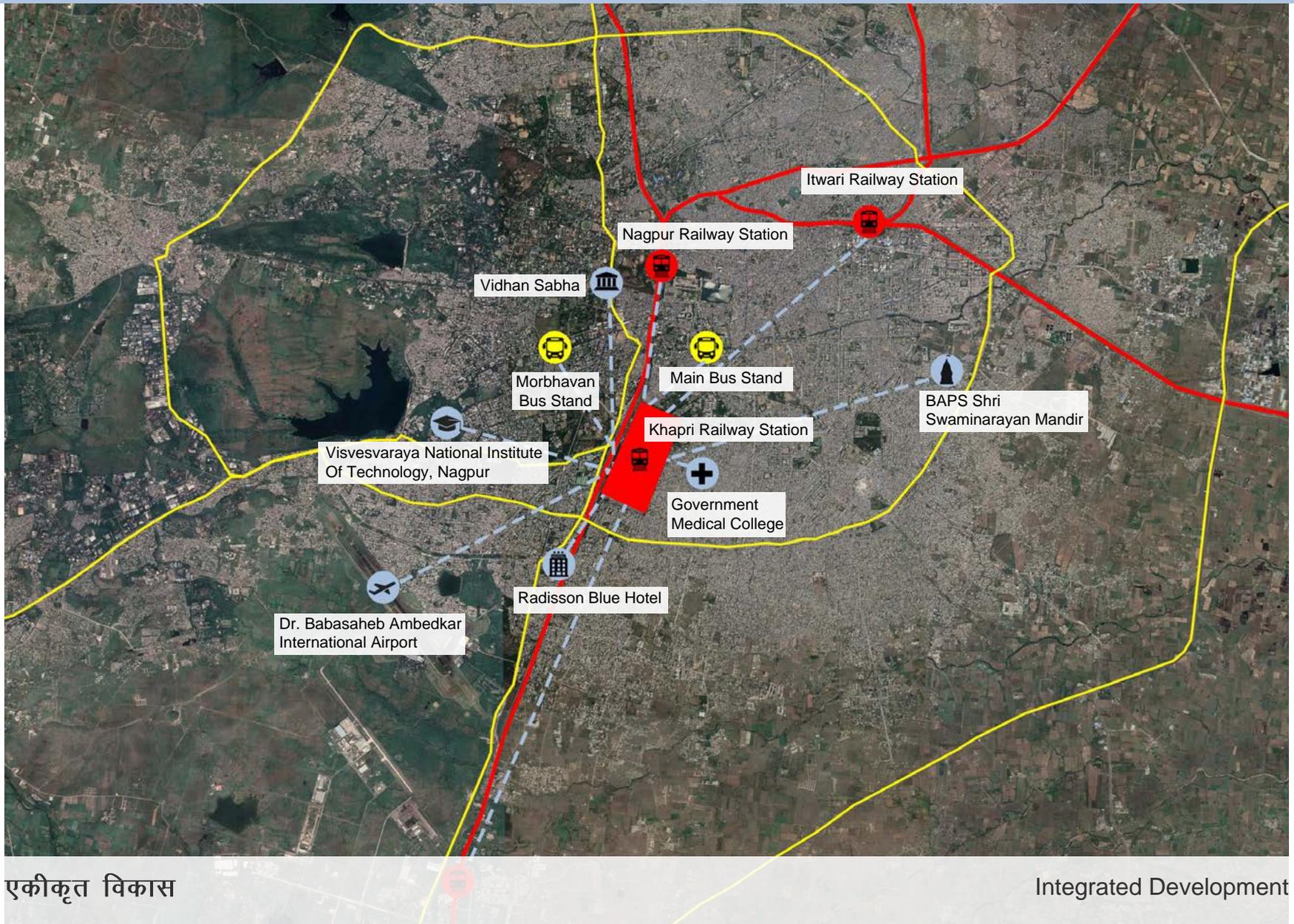
Shri Nitin Gadkari

Union Minister of Road Transport and Highways
& Micro, Small and Medium Enterprises

“विश्वस्तरीय शहरों का सृजन करने के लिए विभिन्न परिवहन प्रणालियों की निर्बाध आवाजाही और पारगमन की सुविधा अनिवार्य है। नागपुर को आईएमएस का लाभ मिलेगा और इससे नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा। पूरे देश के शहरी संसाधनों और यात्री अनुभवों में बदलाव के लिए एक अवसर—आईएमएस नागपुर कई अन्य आने वाली परियोजनाओं के लिए प्रेरक बनेगा।”

“Seamless movement and transit across different modes of transport is essential for creating world class cities. Nagpur will benefit from the IMS and will improve the quality of life for citizens. IMS Nagpur will be an inspiration for many other projects to come - an opportunity to transform the passenger experience and urban spaces all over the country.”

आई एम एस की आवश्यकता | THE NEED FOR IMS



एकीकृत विकास

Integrated Development



मौजूदा परिवहन अवसंरचना

भारत में बढ़ते शहरीकरण से लोगों की आजीविका और सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जनसंख्या केंद्रों के बीच आने जाने की आवश्यकता बढ़ गई है। परंतु यात्री टर्मिनलों पर सीमित निवेश किया गया है।

एक विशिष्ट भारतीय शहर में प्रत्येक परिवहन साधन के लिए अलग – अलग स्थानों पर टर्मिनल होते हैं। वर्तमान में विद्यमान परिवहन अवसंरचना अपर्याप्त है और सुगम इंटर-मॉडल अदला-बदली से यात्री और सुविधा अनुभव प्रभावित होते हैं। परिवहन अवसंरचना योजना के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना तथा यात्रियों को पर्याप्त आधुनिक टर्मिनल सुविधाएँ प्रदान करना आवश्यक हो गया है।



Existing Transport Infrastructure

Increased urbanization in India has enhanced the need for people to move between population centres for livelihood and fulfillment of their social needs. A typical Indian city has multiple non-co-located terminals for each transport mode.

Presently, current transportation infrastructure is inadequate, and the absence of easy inter-modal exchanges impact passenger experience and convenience. It has become essential to adopt a holistic approach to transportation infrastructure planning and provide passengers with adequate modern terminal facilities.

विजन | VISION





नागपुर का इंटरमॉडल स्टेशन भविष्य में मुख्य शहरों के बीच एक अनुकरणीय महत्वपूर्ण परियोजना और नई दिशा निर्धारक के रूप में अभीष्ट है। इसकी कल्पना एक अत्याधुनिक सुविधा के रूप में की गई है जो कई परिवहन साधनों को एकीकृत कर यात्रियों को एक आरामदायक अदला बदली विकल्प प्रदान करेगा। यह शहरों से सड़क, मेट्रो, अन्तर्राज्यीय बस और साथ ही साथ गैर मोटर परिवहन सुगम पहुंच द्वारा प्रतिदिन 3 लाख से अधिक यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगा।

The Intermodal Station at Nagpur is intended to be a pilot project and a trendsetter for future replications across major cities.

It is envisioned as a state-of-the-art facility integrating several transport modes to allow passengers a convenient inter-changing option. The facility would cater to over 3 lakh passengers per day, with easy accessibility from the city via roads, metro, intra-city buses, as well as forms of non-motorized transport.



आई एम एस नागपुर शहर के केंद्र में भावी सी बी डी का विकास करने का इच्छुक है।





IMS is intended to anchor the development of the future CBD in the heart of Nagpur

तथ्य | FACTFILE

साइट क्षेत्र
प्रस्तावित निर्माण
परियोजना लागत
निर्माण का अपेक्षित समय
संभावित कार्य

44.5 एकड़
170000 वर्ग मीटर (चरण –1)
1708 करोड़ (चरण –1)
30 माह
7 रेलवे प्लेटफार्म, 3 सबवे, 3 फुट ओवर ब्रिज परिवहन टर्मिनल, 163 बस-स्थल, कार पार्किंग के 1200 स्लॉट, लिफ्टें, एस्केलैटर्स, ट्रैवलैटर्स, रिटेल, प्रतीक्षालय, रेस्तरां, आधुनिक प्रसाधन केंद्र, क्लॉक रूम आदि

Site Area
Proposed Built-up
Project Cost
**Expected Time
of Construction**
Scope of Work

44.5 Acres
170000 sq.m. (Phase I)
1708 Crores (Phase I)
30 Months
7 railway platforms, 3 subways, 3 Air Concourse, Transport Terminal, Escalators, Travellers, 163 Bus bays, Car parking 1200 slots, Retail, Waiting Area, VIP Lounges, Cloak Rooms, Restaurants, Universally Accessible Toilets.

अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ | INTERNATIONAL REFERENCES



Salaris Transit Center, Moscow, Russia



Jiaxing Train Station, China (Under construction)



Anaheim Regional Transportation Intermodal Center, USA

आई एम एस की सुविधाएं | BENEFITS OF THE IMS

यातायात में सुधार करता है



Improves traffic movement

यात्री अनुभव को बेहतर करता है



Enhance passenger experience

एक हब में रेल, बस, मेट्रो और
भूमिगत मार्ग का एकीकरण



Integrating rail, bus, metro and
subway in a hub

स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार
करता है



Favours local economy

पर्यावरण के अनुकूल है



Environment-friendly

प्रस्तावित मास्टर प्लान | PROPOSED MASTER PLAN



1. बस स्थल
2. आई एस बी टी
3. मुख्य समागम
4. मेट्रो स्टेशन
5. रेलवे यार्ड
6. व्यावसायिक (चरण -2)
7. आई सी डी

1. BUS BAYS
2. ISBT
3. MAIN CONCOURSE
4. METRO STATION
5. RAILWAY YARD
6. COMMERCIAL (PHASE 2)
7. ICD

आई एम एस में सुविधाएं | AMENITIES AT IMS

आधुनिकतम सुविधाएं



State-of-the-art facilities

प्रतीक्षा अवधि के दौरान खरीदारी



Shop while you wait

बहुस्तरीय स्मार्ट पार्किंग



Multi-level smart parking

सुविधा युक्त निर्बाध आवाजाही



Seamless movement within the facility

सुरक्षा और निगरानी



Security and surveillance



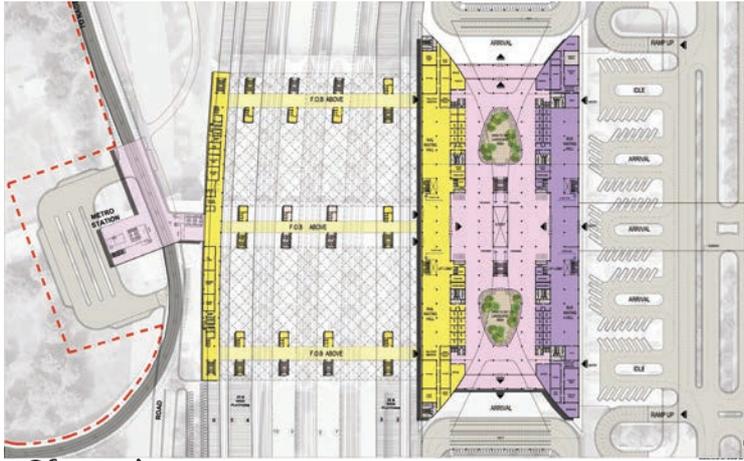
Landscaped Courts



Food Court



Retail Shops

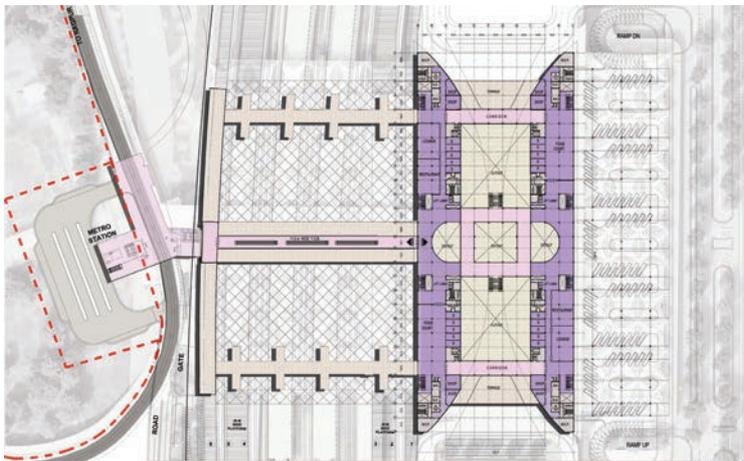


टर्मिनल के अंदर बाहर बिना रुके आवाजाही के लिए अलग-अलग स्तरों पर आगमन और प्रस्थान की योजना की गई है।

Segregation of arrival and departure functions on different levels for ease of movement.



Central concourse

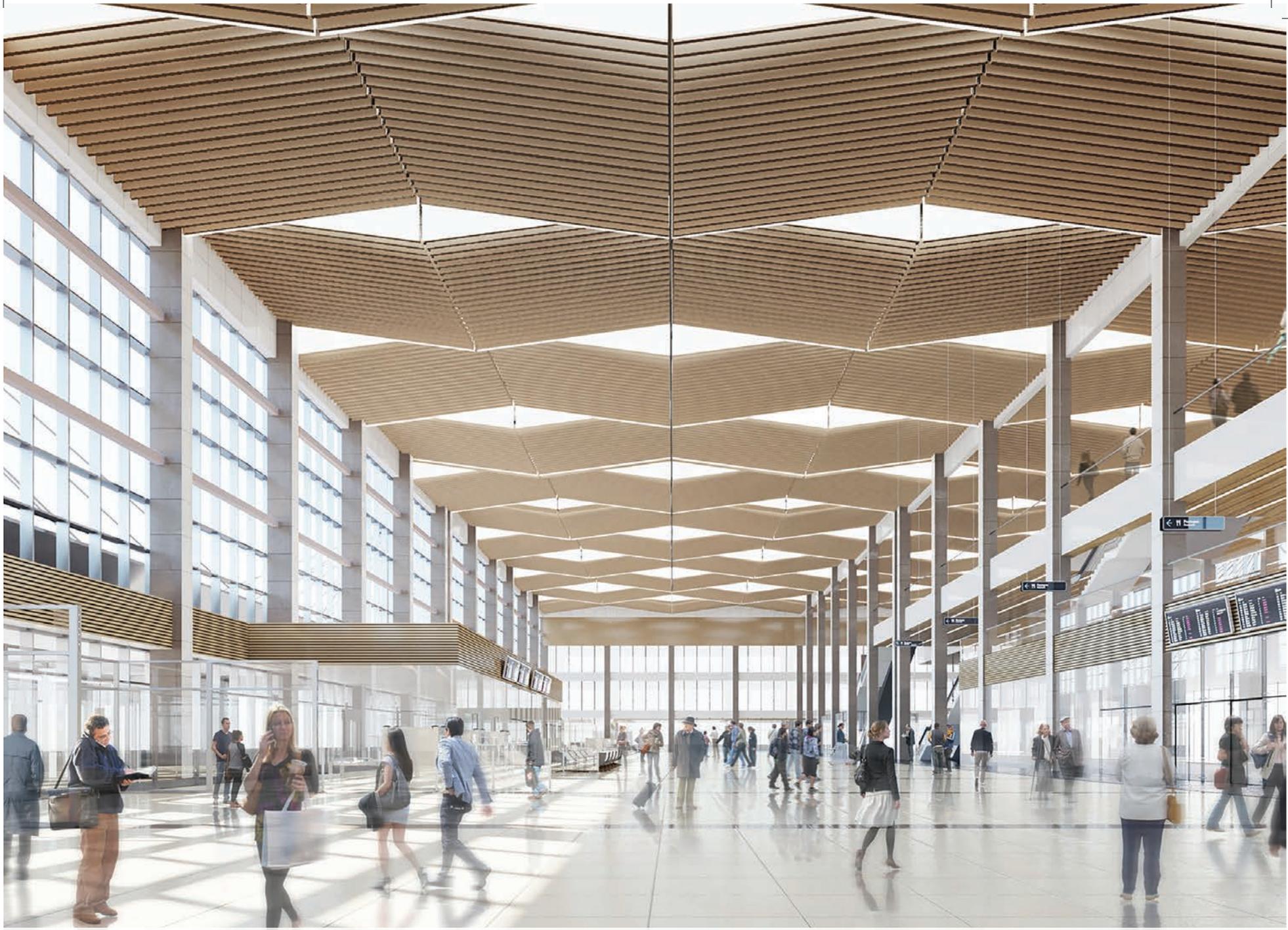


ऊपरी मंजिल पर विशाल और अच्छी प्रकाश व्यवस्था वाला सार्वजनिक लाऊंज है।

Spacious and well-lit waiting area on the upper floor.



Waiting area



Spacious and Naturally Lit Lobbies



Chitrakathi Painting



Warli Art

भारत का नारंगी शहर नागपुर अपनी समृद्ध संस्कृति और संपन्न वास्तुशिल्प धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है। टर्मिनल डिजाइन बनाने में इसकी स्थानीय कला, शिल्प और संस्कृति के कई तत्वों का उपयोग किया गया है, ताकि इसमें क्षेत्रीय चरित्र को उजागर किया जा सके और इसे शहर का मुख्य प्रवेश द्वार बनाया जाए।

वरली और चित्रकाठी चित्रकारी महाराष्ट्र की आदिवासी भित्ति चित्रकला है। चित्रकाठी चित्रकलाओं में रामायण, महाभारत और पौराणिक कथाओं का स्थानीय संस्करण शामिल है।

The Orange City of India, Nagpur, is well-known for its rich culture and affluent architectural heritage. Numerous elements from local art, craft and culture have been used in the design of the building terminal to infuse regional character and make it a gateway to the city.

Warli and Chitrakathi paintings are the tribal wall paintings of Maharashtra. The Theme of Chitrakathi paintings include stories on local versions of Ramayana and Mahabharata and mythical themes.



Handicrafts of Nagpur

भूरे रंगों में पत्थरों का प्रयोग एक उल्लेखनीय प्रभाव डालता है। कहानी कहने के इन पारंपरिक कला रूपों को आक्रमणों के दौरान मंदिरों की दीवारों पर संरक्षित किया गया था।

नागपुर हथकरघा बुनकरों का सबसे बड़ा केंद्र है, जो उच्च गुणवत्ता वाली हाथ से बुनी हुई साड़ियां उत्पादित करता है। इनमें से करवत काठी सिल्क की साड़ियां सबसे प्रसिद्ध हैं और इनको जी.आई.टैग भी प्राप्त हुआ है।



Karvat Kathi Silk

Use of brownish tones of stone colors gives a remarkable effect. These traditional art forms of story telling were conserved on temple walls during attacks.

Nagpur is the largest hub of handloom weavers who produce supreme quality handwoven saris. Among them, the Karvat Kathi silk sarees are most famous and have earned a GI (Geographical Indication) tag too. Also, there are several varieties of wooden and metal handicrafts.

दीर्घकालिक विशेषतायें

SUSTAINABLE FEATURES

ग्रे वाटर रिसाइक्लिंग के द्वारा 55% पानी की आवश्यकता पूरी होती है।



55% water requirement met by grey water recycling.

शून्य तरल निकासी



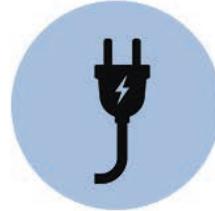
Zero liquid discharge.

तकरीबन 3000 वृक्षों का प्रत्यारोपण किया जाएगा और प्रत्येक वृक्ष के कटने पर 5 नये वृक्षों का रोपण किया जाएगा।



about **3000** trees shall be transplanted and **5** new trees will be planted for every tree cut.

ऊर्जा की खपत में 32% की कमी

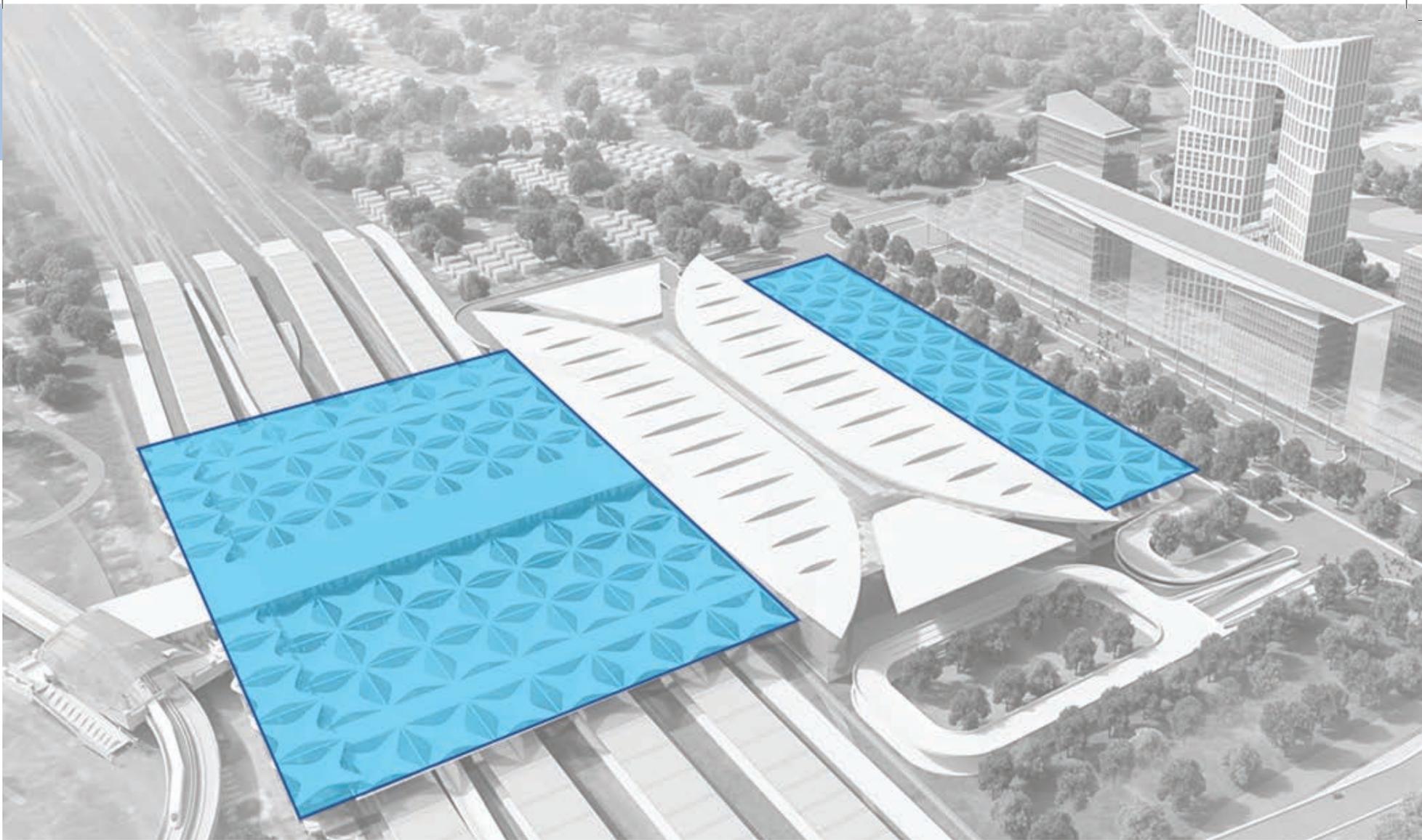


32% reduction in energy consumption

कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 1980,000 किलो ग्राम की कमी, 38000 किलो ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का प्रतिवर्ष अवशोषण।



19,80,000 kg of CO₂ emission reduction, **38,000 kg** of CO₂ absorbed per year



सौर ऊर्जा उत्पादन तथा जल संचयन वाली छत।

Solar roof to generate electricity and harvest water



LEED platinum rating



GRIHA 5 Star rating



EPC Contractor



Nagarjuna Construction Company Limited



National Highways Authority of India
G 5&6, Sector-10, Dwarka,
New Delhi - 110075

